



RAJASTHAN JUDICIAL SERVICE (RJS) PRELIMS 2016

1. **माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत, एक माध्यस्थम् करार जिसमे चार मध्यस्थों का प्रावधान है, को निम्न के द्वारा माध्यस्थम् का करार माना जायेगा:/An arbitration agreement providing for arbitration by four arbitrators is, under the Arbitration & Conciliation Act, 1996, to be construed as an agreement for arbitration by:**
- (a) एकल मध्यस्थ/Sole arbitrator
(b) पाँच मध्यस्थ/Five arbitrators
(c) तीन मध्यस्थ/Three arbitrators
(d) चार मध्यस्थ/Four arbitrators
- [a]
2. **संविदा की विनिर्दिष्ट पालना का आदेश दिया जा सकता है, जहाँ:/Specific performance of any contract may be ordered where:**
- (a) किए जाने वाले कार्य के अपालन द्वारा कारित वास्तविक नुकसान का अभिनिश्चय करने के लिए कोई मानक विद्यमान न हो।/There exists no standard for ascertaining actual damage by non performance of the act to be done.
(b) धन के रूप में प्रतिकर यथायोग्य अनुतोष हो।/Compensation in money is adequate relief.
(c) संविदा जिसके पालन में ऐसा सतत्-कर्तव्य का पालन अन्तर्वलित हो जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण न कर सके।/The performance of the contract involves performance of continuous duty which the court cannot supervise.
(d) संविदा अपनी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो।/The contract is by its nature determinable.
- [a]
3. **एक भागीदारी फर्म है:/A partnership firm is:**
- (a) अपने भागीदारों से अलग एक विधिक इकाई/A distinct legal entity from its partners.
(b) एक स्वतन्त्र विधिक व्यक्तित्व/An independent juristic person.
(c) अपने भागीदारों की अभिकर्ता/An agent of its partners.
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above.
- [d]
4. **सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा 105 के मद्देनजर स्थावर सम्पत्ति का पट्टा एक अन्तरण है:/In view of Section 105 of the Transfer of Property Act, 1882 a lease of immovable property is a transfer of:**
- (a) जिसमें किसी दी गई कीमत या दिये जाने के वचन, अथवा धन, फसलों के अंश, सेवा अथवा किसी अन्य मूल्यवान वस्तु के प्रतिफल पर उस सम्पत्ति के उपभोग के अधिकार का अन्तरण हो।/A right to enjoy such property in consideration of a price paid or promised or of money, a share of crops, service or any other thing of value.
(b) जिसमें उधार दिये गये धन के संदाय को प्रतिभूत करने के प्रयोजन से विनिर्दिष्ट स्थावर सम्पत्ति में हित का अन्तरण हो।/An interest in specific immovable property for securing the payment of money advanced.
(c) जिसमें दी गई कीमत या दिये जाने के वचन के प्रतिफल में स्वामित्व का अन्तरण हो।/Ownership in consideration of price paid or promised.
(d) जिसमें निश्चित स्थावर सम्पत्ति का स्वेच्छया और प्रतिफल के बिना अन्तरण हो।/Certain immovable property, made voluntarily and without consideration.
- [a]
5. **भारत के संविधान का कौन सा अनुच्छेद उपबंध करता है कि भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विधि भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होगी?/Which Article of the Constitution of India provides that the law declared by the Supreme Court of India shall be binding on all courts within the territory of India?**
- (a) अनुच्छेद 141/Article 141
(b) अनुच्छेद 139-क/Article 139-A
(c) अनुच्छेद 140/Article 140
(d) अनुच्छेद 142/Article 142
- [a]
6. **स्थावर सम्पत्ति का एक वर्ष से अधिक किसी अवधि का पट्टा किया जा सकता है:/A lease of immovable property for any term exceeding one year can be made:**
- (a) केवल रजिस्ट्रीकृत लिखत द्वारा/Only by a registered instrument
(b) मौखिक करार द्वारा/By oral agreement
(c) कब्जे के परिदान सहित मौखिक करार द्वारा/By oral agreement accompanied with delivery of possession
(d) या तो मौखिक करार द्वारा या रजिस्ट्रीकृत लिखत द्वारा/Either by oral agreement or by a registered instrument
- [a]
7. **विहित काल के विस्तारण हेतु परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 5 लागू होती है:/Provisions of Section 5 of the Limitation Act, 1963 for extension of prescribed period are applicable to:**
- (a) वाद पर/A suit
(b) डिक्री के निष्पादन के आवेदन पर/An application for execution of decree
(c) उपरोक्त दोनों पर/Both the above
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above
- [d]
8. **कोई वाद विफल हो सकता है:/A suit may be defeated due to:**
- (a) उचित पक्षकार के असंयोजन से/Non joinder of a proper party





- (b) आवश्यक पक्षकार के कुसंयोजन से/Misjoinder of a necessary party
- (c) आवश्यक पक्षकार के असंयोजन से/Non joinder of a necessary party
- (d) उचित पक्षकार के कुसंयोजन से/Misjoinder of a proper party [c]
9. प्रस्तावक के विरुद्ध प्रतिग्रहण की संसूचना सम्पूर्ण हो जाती है:/Communication of acceptance is complete as against the proposer:
- (a) जब वह प्रस्तावक के ज्ञान में आती है/When it comes to the knowledge of the proposer.
- (b) जब वह उसके प्रति इस प्रकार पारेषण के अनुक्रम में कर दी जाती है कि वह प्रतिगृहीता की शक्ति के बाहर हो जाये/When it is put in the course of transmission to the proposer so as to be out of power of the acceptor.
- (c) जब प्रतिग्रहण प्रस्तावक को संसूचित की जाए/When the acceptance is communicated to the proposer.
- (d) उपरोक्त सभी/All the above [b]
10. व्यवहार प्रक्रिया संहिता के आदेश XVIII के अन्तर्गत साक्ष्य अभिलिखित करने के लिए नियुक्त कमिश्नर नहीं कर सकता है: / The Commissioner appointed under the provisions of Order XVIII of the Code of Civil Procedure for the purposes of recording of evidence cannot:
- (a) साक्षी की पुनः परीक्षा/Re-examine a witness
- (b) साक्ष्य लेखबद्ध किए जाने के दौरान उठाए गए कोई आक्षेप का निर्णय/Decide objections raised during the recording of evidence
- (c) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above
- (d) (a) एवं (b) दोनों/Both (a) & (b) [b]
11. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अधीन 'परिसर में सम्मिलित नहीं है:/'Premises' under the Rajasthan Rent Control Act, 2001 does not include:
- (a) भवन से अनुलग्न उपगृह/Out house appurtenant to a building
- (b) छात्रावास में वास-सुविधा/Accommodation in a hostel
- (c) (a) & (b) दोनों/Both (a) & (b)
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
12. सुखाचार अधिनियम, 1882 के अधीन 'अधिष्ठायी सम्पत्तियों से अभिप्रेत है:/'Dominant heritages under the Easements Act, 1882 means:
- (a) वह भूमि जिसके फायदाप्रद उपयोग के लिये अधिकार विद्यमान है/The Land for the beneficial enjoyment of which the right exists
- (b) वह भूमि जिस पर भार अधिरोपित है/The land on which the liability is imposed
- (c) (a) & (b) दोनों/Both (a) & (b)
- (d) दोनों ही नहीं/Neither (a) nor (b) [a]
13. 'लोक अदालतों' का आयोजन किस कानून के अन्तर्गत होता है?/'Lok Adalats' are organised under which legislation?
- (a) मोटरयान अधिनियम, 1988/Motor Vehicles Act, 1988
- (b) विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987/The Legal Services Authorities Act, 1987
- (c) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 / Code of Civil Procedure, 1908
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
14. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 लागू होता है: / The Indian Evidence Act, 1872 applies to:
- (a) किसी न्यायालय में या उसके समक्ष समस्त न्यायिक कार्यवाहियों में/all judicial proceedings in or before any Court
- (b) किसी न्यायालय या अधिकारी के समक्ष पेश किये शपथ-पत्रों में/affidavits presented to any Court or Officer
- (c) किसी मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाहियों में/proceedings before an Arbitrator
- (d) उपरोक्त सभी में/all the above [a]
15. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 लागू नहीं होता है:/The Hindu Marriage Act, 1955 is not applicable to:
- (a) ब्रह्म समाज के अनुयायियों पर/a follower of the Brahmo Samaj
- (b) ऐसे व्यक्ति पर, जो धर्म से सिक्ख है/the person, who is a Sikh by religion
- (c) ऐसे व्यक्ति पर, जिसने हिन्दू धर्म ग्रहण किया है/any person, who is a convert to the Hindu religion
- (d) किसी अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर/the members of any Scheduled Tribe [d]
16. मोटर यान अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत संरचित सूत्र के आधार पर प्रतिकर के भुगतान के लिए विशेष प्रावधान अन्तर्विष्ट है:/The special provisions as to payment of compensation on structured formula basis under the Motor Vehicles Act, 1988 are contained in:
- (a) धारा 140 में/Section 140
- (b) धारा 163 में/Section 163
- (c) धारा 163-क में/Section 163-A
- (d) धारा 166 में/Section 166 [c]
17. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881, निम्न में से किस उपधारणा को साक्ष्य का विशेष नियम उपबन्धित करता है, जब तक कि प्रतिकूल साबित नहीं कर दिया जाता: / The Negotiable Instrument Act, 1881 provides for making which of the following presumptions as special rule of evidence, until the contrary is proved:





- (a) हर परक्राम्य लिखत जिस पर तारीख पड़ी है, ऐसी तारीख को रचित या लिखी नहीं गयी थी।/that every negotiable instrument bearing a date was not made or drawn on such date
- (b) परक्राम्य लिखत का हर अन्तरण उसकी परिपक्वता के पूर्व नहीं किया गया था।/that every transfer of negotiable instrument was not made before its maturity
- (c) खोया गया वचन-पत्र, विनियम-पत्र या चैक सम्यक रूप से स्टाम्पित था।/that a lost promissory note, bill of exchange or cheque was duly stamped
- (d) उपरोक्त सभी/all the above
- [c]
18. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत पंजीकृत दस्तावेज प्रवर्तित होता है:/A document registered under the Registration Act, 1908 operates:
- (a) रजिस्ट्रीकरण के समय से/from the time of its registration
- (b) उस समय से, जिससे कि यदि उसका कोई रजिस्ट्रीकरण अपेक्षित न होता, तो उसका प्रवर्तन प्रारम्भ हुआ होता।/from the time from which it would have commenced to operate, if no registration was required
- (c) निष्पादक की इच्छानुसार/at the choice of executants
- (d) उपरोक्त सभी/all the above
- [b]
19. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955, के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के सदस्य द्वारा खातेदारी हितों का विक्रय, दान या वसीयत ऐसे व्यक्ति के पक्ष में, जो अनुसूचित जाति का सदस्य न हो, होगा:/Under the Rajasthan Tenancy Act, 1955, the sale, gift or bequest of Khatadari interests by a member of the Scheduled Caste in favour of a person, who is not a member of Scheduled Caste shall be:
- (a) वैध/valid
- (b) शून्य/void
- (c) शून्यकरणीय/voidable
- (d) अन्तरक के चाहने पर शून्यकरणीय/voidable at the instance of transferor
- [b]
20. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत मूल डिक्रियों की अपीलें उपबन्धित है:/Appeals from original decrees under the Rajasthan Tenancy Act, 1955 is provided under:
- (a) धारा 223 में/Section 223
- (b) धारा 224 में/Section 224
- (c) धारा 225 में/Section 225
- (d) धारा 229 में/Section 229
- [a]
21. राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 के अन्तर्गत यदि कोई लिखत अनुसूची के विभिन्न वर्णनों में आती है, जहाँ प्रभार्य शुल्क भिन्न-भिन्न है, स्टाम्प शुल्क प्रभार्य है:/If an instrument comes within several descriptions in the Schedule to the

Rajasthan Stamp Act, 1998, where the duties chargeable are different, stamp duty is chargeable:

- (a) ऐसे शुल्कों में से न्यूनतम/with the lowest of such duties
- (b) ऐसे शुल्कों में से अधिकतम/with the highest of such duties
- (c) निष्पादक की इच्छानुसार/at the choice of the executants
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above
- [b]

22. राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 के अधीन शुल्क से प्रभार्य कोई लिखत, जब तक कि ऐसी लिखत सम्यक रूप में स्टाम्पित नहीं है:/An instrument chargeable with the duty under the Rajasthan Stamp Act, 1998, unless such instrument is duly stamped:

- (a) किसी भी प्रयोजन के लिए साक्ष्य में ग्राह्य नहीं होगी/cannot be admitted in evidence for any purpose
- (b) उस पर कार्यवाही की जा सकती है/can be acted upon
- (c) रजिस्ट्रीकृत या अधिप्रमाणीकृत की जा सकती है/can be registered or authenticated
- (d) उपरोक्त सभी/all the above
- [a]

23. राजस्थान कृषि ऋण संक्रिया (कठिनाईयों का निराकरण) अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत, विहित प्राधिकारी, बैंक के आवेदन पर निम्न के विरुद्ध ओदश पारित नहीं कर सकता:/Under the provisions of Rajasthan Agricultural Credit Operations (Removal of Difficulties) Act, 1974, the prescribed authority on the application of a bank cannot make an order against:

- (a) कृषक, जिसने आर्थिक सहायता प्राप्त की है। / the agriculturist, who has availed financial assistance
- (b) कृषक के उत्तराधिकारी या विधिक प्रतिनिधि/heirs or legal representative of the agriculturist
- (c) कृषक के प्रतिभू/guarantor of the agriculturist
- (d) कृषक का आसामी/tenant of the agriculturist
- [d]

24. अविभक्त कुटुम्ब की सम्पत्ति जिसका स्वामित्व संयुक्त रूप से हो या साझे में हो, के विभाजन तथा पृथक कब्जे के लिए दायर वाद में, किसी ऐसे वादी द्वारा जिसका ऐसी सम्पत्ति पर संयुक्त कब्जा है, यदि वादी के हिस्से का मूल्य 10,000/- से अधिक हो, राजस्थान में संदत्त कोर्ट फीस:/In a suit for partition and separate possession of joint family property or property owned jointly or in common by a plaintiff who is in joint possession of such property, if the value of plaintiff's share exceeds Rs.10,000/-, the court fees payable in Rajasthan would be:

- (a) की संगणना सम्पत्ति में वादी के हिस्से के बाजार मूल्य पर की जायेगी/computed on the market value of the plaintiff's share of the property





- (b) की संगणना वादी के हिस्से के बाजार मूल्य के आधे पर की जायेगी/computed on half of the market value of the plaintiff's share
- (c) रूपये 200/- की निश्चित कोर्ट फीस होगी/fixed court fee of Rs.200/-
- (d) की संगणना सम्पूर्ण सम्पत्ति के बाजार मूल्य पर होगी/computed on market value of the entire property [c]
25. राजस्थान कोर्ट फीस तथा वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 का कौनसा प्रावधान वाद के संबंध में संदत्त फीस की पूर्ण रकम, जहाँ मामलों का निपटारा सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 के किसी भी उपबन्ध के अधीन हुआ हो, के प्रतिदाय का प्रावधान करता है?/Which provision of the Rajasthan Court Fees and Suits Valuation Act, 1961 provides for refund of full amount of fee where a suit is settled by any one of the modes provided under Section 89 of the Code of Civil Procedure?
- (a) धारा 63/Section 63
- (b) धारा 65-क/Section 65-A
- (c) धारा 65-ख/Section 65-B
- (d) धारा 68/Section 68 [c]
26. हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत कोई सम्पत्ति जिसकी विरासत हिन्दू नारी को अपने पिता या माता से प्राप्त हुई हो, मृतका के पुत्र या पुत्री के (जिसके अन्तर्गत किसी पूर्वमृत पुत्र या पुत्री की संतान भी है) अभाव में न्यागत होगी:/Under the provisions of Hindu Succession Act, 1956, any property inherited by a female Hindu from her father or mother shall devolve, in absence of any son or daughter of the deceased (including the children of any pre-deceased son or daughter):
- (a) अधिनियम की धारा 15 (1) में निर्दिष्ट वारिसों को/Upon the heirs referred to in Section 15 (1) of the Act
- (b) मृतक हिन्दू नारी के पिता के वारिसों को/Upon the heirs of deceased female Hindu's father
- (c) मृतक हिन्दू नारी के पति के वारिसों को/Upon the heirs of deceased female Hindu's husband
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
27. निम्न में से किस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह विनिर्णित किया है कि मुस्लिम विधि के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति का दान, जिसमें वैद्य दान के सभी आवश्यक तत्व जैसे दानदाता द्वारा दान की उद्घोषणा, दानग्रहिता द्वारा दान ग्रहण की स्वीकृति एवं कब्जे का परिदान, यदि लिखित में भी किया गया है तो भी लिखित का पंजीकरण अनिवार्य नहीं है?/In which of the following cases has the Supreme Court ruled that under the Muslim Law a gift of immovable property fulfilling essential ingredients of a valid gift i.e. declaration of gift by donor, acceptance of gift by donee and delivery of possession, even if reduced into writing does not require compulsory registration?
- (a) हफीज़ा बीबी व अन्य बनाम शेख फरीद व अन्य (2011) 5 SCC 654/Hafeeza Bibi and others v. Shaikh Farid & others - (2011) 5 SCC 654
- (b) अब्दुल बासित बनाम मो. अब्दुल कादिर चौधरी व अन्य (2014) 10 SCC 754/Abdul Basit v. Mohd. Abdul Kadir Chaudhary & others- (2014) 10 SCC 754
- (c) अब्दुल गनी भाट बनाम इस्लामिया कॉलेज गवर्निंग बोर्ड (2011) 12 SCC 640/Abdul Gani Bhat v. Islamia College Governing Board - (2011) 12 SCC 640
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
28. भारत के संविधान में, सहकारी समितियों से सम्बंधित भाग 9-ख जिसमें अनुच्छेद 243-य ज से अनुच्छेद 243-य न अंतर्विष्ट है, को अन्तःस्थापित किया गया:/Part IX-B of the Constitution of India containing Articles 243ZH to 243ZT pertaining to the Cooperative Societies was inserted by:
- (a) संविधान (73 वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 द्वारा/Constitution (Seventy Third Amendment) Act, 1992
- (b) संविधान (97 वाँ संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा/Constitution (Ninety Seventh Amendment) Act, 2011
- (c) संविधान (91 वाँ संशोधन) अधिनियम, 2003 द्वारा/Constitution (Ninety First Amendment) Act, 2003
- (d) संविधान (95 वाँ संशोधन) अधिनियम, 2010 द्वारा/Constitution (Ninety Fifth Amendment) Act, 2010 [b]
29. क्या हिन्दु दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 में एक विधिमन्यतः दत्तक, दत्तक पिता या माता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रद्द किया जा सकता है?/Whether a valid adoption under the Hindu Adoption & Maintenance Act, 1956, can be cancelled by the adoptive father or mother or any other person?
- (a) हाँ/Yes
- (b) नहीं/No
- (c) केवल दत्तक माता द्वारा/Only by adoptive mother
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
30. राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के किस प्रावधान के अन्तर्गत निचले न्यायालय के आदेशों का निष्पादन रोक देने की शक्ति, अपील प्राधिकारी को प्रदान की गयी है?/Under which provision of the Rajasthan Land Revenue Act, 1956, power to stay execution of orders of lower court, has been conferred on the appellate authority?
- (a) धारा 151/Section 151
- (b) धारा 41/Section 41
- (c) धारा 81/Section 81
- (d) धारा 75/Section 75 [b]





31. क्या एक सिविल न्यायालय राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति के निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से संबंधित प्रश्न का विचारण दीवानी वाद में कर सकता है?/Can a civil court adjudicate in a civil suit, upon any question relating to registration of a person in an electoral roll for a constituency, under the Rajasthan Panchayati Raj Act, 1994?

- (a) हाँ/Yes
(b) नहीं/No
(c) (a) एवं (b) दोनो/Both (a) & (b)
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[b]

32. राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 का कौन सा प्रावधान नगरपालिका या उसके अधिकारियों के विरुद्ध वाद से सम्बन्धित है?/Which provision of the Rajasthan Municipalities Act, 2009 deals with suits against Municipality or its officers?

- (a) धारा 302/Section 302
(b) धारा 304/Section 304
(c) धारा 182/Section 182
(d) धारा 199/Section 199

[b]

33. निम्न में से कौन सी विधि न्यायालय की डिक्री या आदेश के अधीन खर्चों के रूप में विनिर्धारित विधि व्यवसायी की फीस की रकम को विनियमित करती है?/Which of the following Statutes regulates the amount of legal practitioner's fee to be taxed as costs under a decree or order of a court?

- (a) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908/Code of Civil Procedure, 1908
(b) राजस्थान कोर्ट फीस एवं वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961/Rajasthan Court Fee & Suit Valuation Act, 1961
(c) साधारण नियम (सिविल) 1986/General Rules (Civil), 1986
(d) आयकर अधिनियम, 1961/Income Tax Act, 1961

[c]

34. राजस्थान किराया नियन्त्रण अधिनियम, 2001 की धारा 2(झ) के उपखण्ड (i) में निर्दिष्ट व्यक्ति की मृत्यु हो जाने की दशा में, निवासीय प्रयोजनार्थ किराये दिये गये परिसर की दशा में, ऐसे परिसर में किरायेदार के कुटुम्ब के सदस्य के रूप में उसकी मृत्यु तक साधारणतया निवास कर रहे निम्नलिखित में से कौन व्यक्ति किरायेदार की परिभाषा में सम्मिलित होंगे?/In the event of death of the person referred to in sub-clause (i) of Section 2(i) of the Rajasthan Rent Control Act, 2001, in case of premises let out for residential purposes, who of the following ordinarily residing with the tenant as member of his family upto his death shall be included within the definition of tenant?

- (a) उत्तरजीवी पति या पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहिन, माता, पिता, दादा एवं दादी/surviving spouse, son, daughter,

brother, sister, mother, father, grand father and grand mother

- (b) उत्तरजीवी पति या पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहिन, माता एवं पिता/surviving spouse, son, daughter, brother, sister, mother and father
(c) उत्तरजीवी पति या पत्नी, पुत्र, पुत्री, माता एवं पिता/surviving spouse, son, daughter, mother and father
(d) उत्तरजीवी पति या पत्नी, पुत्र एवं पुत्री/surviving spouse, son and daughter

[c]

35. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत एक वृक्ष के स्वामित्व एवं उसे हटाने के अधिकार के सम्बन्ध में विवाद का निर्णय करने को सक्षम है:/The authority competent under Rajasthan Tenancy Act, 1955 to decide a dispute about ownership of a tree and a right to remove it is:

- (a) पटवारी/Patwari
(b) सदर कानूनगो/Sadar Kanungo
(c) तहसीलदार/Tehsildar
(d) उपखण्ड अधिकारी/Sub-Divisional Officer

[c]

36. निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है:/Which of the following statements is not correct:

- (a) कई व्यक्तियों द्वारा, सब के सामान्य आशय के अग्रसरण में किए गए आपराधिक कार्य में, हर व्यक्ति उस कार्य के लिए दायित्वाधीन होगा।/In a criminal act done by several persons in furtherance of common intention of all, each of them will be held liable for that act.
(b) कई व्यक्तियों द्वारा किए गये कार्य, जो आपराधिक ज्ञान या आशय से किए जाने के कारण ही आपराधिक है, में सम्मिलित सभी व्यक्ति, उस ज्ञान या आशय का विचार किए बिना, उस कार्य के लिए दायित्वाधीन होंगे।/In an act done by several persons, the act being criminal only by reason of its being done with criminal knowledge or intention, all persons joining in the act, irrespective of such knowledge or intention, will be held liable for that act.
(c) कई कार्यों द्वारा किए गए एक अपराध में, वे सभी व्यक्ति जो उन कार्यों में से कोई एक कार्य करके, उस अपराध में साशय सहयोग करते हैं, वे उस अपराध के लिए दायित्वाधीन होंगे।/In an offence done by means of several acts, all the persons intentionally cooperating in that act by doing any of those acts, will be held liable for that offence.
(d) कई व्यक्तियों द्वारा किए गए आपराधिक कार्य में सम्पूक्त सभी व्यक्ति, उस कार्य के आधार पर विभिन्न अपराधों के लिए दायित्वाधीन हो सकते हैं।/In a criminal act done by several persons, all may be held liable for different offences by means of that act.

[b]

37. एक लोकसेवक 'अ', दस्तावेज का अनुवाद करने का भार वहन करते हुए, दस्तावेज का अशुद्ध अनुवाद 'ब' को क्षति कारित करने के आशय से करता है। 'अ' द्वारा किया गया अपराध है:/'A', a public





servant, having charge of translation of a document, makes an incorrect translation of a document with an intent to cause injury to 'B'. The offence committed by 'A' is:

- असंज्ञेय/Non-Cognizable
- अजमानतीय/Non-Bailable
- अशमनीय/Non-Compoundable
- उपरोक्त सभी/All of the above

[c]

38. 'अ' और 'ब' एक सम्पदा के बेचान हेतु मौखिक करार करते हैं। 'अ' बेईमानीपूर्वक 'ब' को उत्प्रेरित करता है कि 'ब' पांच लाख रुपये का अग्रिम भुगतान कर दे तथा अंतिम भुगतान हस्तान्तर-पत्र लिखने के समय कर दिया जाए। 'ब' अग्रिम भुगतान करता है। बाद में, 'ब' द्वारा हस्तान्तर-पत्र लिखने का निवेदन करने पर, 'अ' करार के साथ-साथ उसके द्वारा कोई रकम प्राप्त करने से इन्कार करता है। 'अ' द्वारा कौनसा अपराध किया गया है?/'A' & 'B' orally agree to sell an estate. 'A' dishonestly induces 'B' to make advance payment of Rs.5 lacs and make final payment at the execution of conveyance. 'B' pays advance amount. Later on, at the request of 'B' to execute the conveyance, 'A' denies the agreement as well as the receipt of any amount. What offence has been committed by 'A'?

- अपराध अंतर्गत धारा 403 भारतीय दण्ड संहिता/Offence under Section 403 Indian Panel Code.
- अपराध अंतर्गत धारा 406 भारतीय दण्ड संहिता/Offence under Section 406 Indian Panel Code.
- अपराध अंतर्गत धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता/Offence under Section 420 Indian Panel Code.
- अपराध अंतर्गत धारा 420 व 465 भारतीय दण्ड संहिता/Offence under Sections 420 & 465 Indian Panel Code.

[c]

39. 'अ' और 'ब' अच्छे मित्र हैं। 'अ', 'ब' से शादी करने का प्रस्ताव रखता है, परन्तु वह इन्कार करती है। 'अ' इस संदेह पर कि 'ब' का किसी अन्य के साथ प्रेम सम्बन्ध है, 'ब' द्वारा मोबाईल फोन व ई-मेल खाते के प्रयोग किए जाने को मानीटर करता है। 'अ' द्वारा कौनसा अपराध किया गया है?/'A' & 'B' are good friends. 'A' proposes 'B' for marriage, but she denies. 'A', in suspicion of B's love affair with somebody else, monitors the use of mobile phone and email account by 'B'. What offence has been committed by 'A'?

- लज्जा भंग/Outrage the modesty
- दृश्यरतिकता/Voyeurism
- पीछा करना/Stalking
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

40. निम्न में से किस मामले में धारा 499 व 500 भारतीय दण्ड संहिता की संवैधानिकता की पुष्टि की गई है?/Which of the following case upheld the constitutionality of Section 499 & 500 of the Indian Penal Code?

- सुब्रमण्यन स्वामी बनाम भारत संघ। 2016(2) एम एल जे (कि.) 542/Subramanian Swamy v. Union of India, Ministry of Law & Ors. 2016(2) MLJ(Cri) 542
- जैकब मैथ्यू बनाम पंजाब राज्य व अन्य। (2005) 6 एस एस सी 1/Jacob Mathew v. State of Punjab & Anr. (2005) 6 SCC 1
- बृज भूषण बनाम दिल्ली राज्य। ए आई आर 1952 एस सी 329/Brij Bhushan v. State of Delhi. AIR 1952 SC 329
- मनोज नरूला बनाम भारत संघ। (2014)9 एस एस सी/Manoj Narula v. Union of India. (2014) 9 SSC 1

[a]

41. न्यायालय, अभियोजन साक्ष्य प्रारम्भ होने के पश्चात् सहायक लोक अभियोजक को अभियोजन वापस लेने की अनुमति देता है। अभियुक्त को किया जाएगा:/The Court, after the commencement of prosecution evidence, allows the Assistant Public Prosecutor to withdraw the prosecution. The accused shall be:

- रिहा/Released
- उन्मोचित/Discharged
- दोषमुक्त/Acquitted
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

42. कथन 'अ' : दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 167(2) के अंतर्गत स्वीकृत जमानत की वही प्रसंगति रहेगी जो इस संहिता के अध्याय 33 के अंतर्गत जमानत स्वीकृत करने पर होती है। कथन 'ब' : दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 167(2) के अंतर्गत स्वीकृत जमानत इस संहिता की धारा 437(5) के अंतर्गत निरस्त नहीं की जा सकती है।

Statement A: Bail granted under Section 167(2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 has same incidents as bail granted under Chapter XXXIII of the Code.

Statement B : Bail granted under Section 167(2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 cannot be cancelled under Section 437(5) of the Code.

- कथन 'अ' सही है।/Statement A is correct.
- कथन 'ब' सही है।/Statement B is correct.
- दोनों कथन सही हैं।/Both the statements are correct.
- दोनों कथन सही नहीं हैं।/Both the statements are incorrect.

[a]

43. कोई भी न्यायालय किसी अपराध का संज्ञान परिसीमा काल के अवसान के पश्चात् कर सकता है, यदि मामले के तथ्यों या परिस्थितियों से उसका समाधान हो जाता है कि:/Any court may take cognizance of an offence after expiry of the period of limitation, if it is satisfied on the facts and circumstances of the case that:

- विलम्ब को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।/An attempt has been made to explain the delay.
- न्याय हित में ऐसा करना आवश्यक है।/It is necessary so to do in the interest of justice.





- (c) राज्य सरकार द्वारा ऐसा प्रसंज्ञान लेने हेतु निर्देश दिये गये है।/The State Government has given instructions for taking such cognizance.
- (d) a एवं b दोनों ही दशाओं में।/In a and b both the conditions.

[b]

44. राज्य सरकार द्वारा, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 95 के अंतर्गत, पुस्तक को समपहत करने की घोषणा को अपास्त करने के लिये आवेदन प्रस्तुत होगा:/On a declaration of forfeiture of a book by the State Government under Section 95 of Code of Criminal Procedure, the application to set aside lies to the:

- (a) जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष/District Magistrate
- (b) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष/Chief Judicial Magistrate
- (c) जिला एवं सेशन न्यायाधीश के समक्ष/District & Sessions Judge
- (d) उच्च न्यायालय के समक्ष/High Court

[d]

45. निम्न में से कौनसा सही है?/Which of the following is correct?

- (a) पुलिस अधिकारी द्वारा, बिना वारन्ट के गिरफ्तार व्यक्ति को, बिना किसी अनावश्यक विलम्ब के मजिस्ट्रेट के समक्ष ले जाया जाएगा। / A person arrested by police officer without warrant shall be taken before a Magistrate without unnecessary delay.
- (b) मजिस्ट्रेट के विशेष आदेश से भी, गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट के न्यायालय तक यात्रा के आवश्यक समय का अपवर्जन करते हुए, बिना वारन्ट गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की पुलिस अभिरक्षा चौबीस घण्टे से अधिक नहीं हो सकती है।/The detention of a person in police custody arrested without warrant, cannot exceed twenty-four hours even by a special order of Magistrate, excluding the time necessary for journey from place of arrest to the Magistrate's court.
- (c) पुलिस अधिकारी द्वारा जमानती अपराध में गिरफ्तार व्यक्ति को बिना किसी बन्ध-पत्र या जमानत के उन्मोचित किया जाएगा।/The police officer shall discharge the person arrested of bailable offence without any bond or bail.
- (d) उपरोक्त सभी/All of the above

[a]

46. निम्न किस परिस्थिति में, आरोप में अपेक्षित विशिष्टियों की गलती का प्रभाव तात्त्विक माना जाएगा:/The effect of error in stating the required particulars in the charge, shall be regarded material under which of the following circumstances:

- (a) जब सह-अभियुक्त की मृत्यु हो जाए।/When co-accused dies.
- (b) जब अभियुक्त उस गलती से भुलावे में पड़ जाए।/When the accused is misled by the error.
- (c) जब कोई महत्वपूर्ण साक्षी पक्षद्रोही हो जाए।/When a material witness becomes hostile.

- (d) जब अभियुक्त को फरार घोषित किया जाए।/When the accused is declared absconded.

[b]

47. धारा 428 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत, निम्न में से भोगी गई निरोध की किस अवधि को, उस मामले में कारावास के दण्डादेश के विरुद्ध मुजरा किया जाएगा:/Under Section 428 of Code of Criminal Procedure, which of the following period of detention undergone by the accused shall be set-off against the sentence of imprisonment in a case:

- (a) जुर्माने के संदाय में व्यतिक्रम में भोगी गई निरोध अवधि को।/Period of detention undergone in default of payment of fine.
- (b) उस मामले के अन्वेषण व विचारण के दौरान भोगी गई निरोध अवधि को।/Period of detention undergone during investigation and trial of that case.
- (c) सदृश्य मामले के अन्वेषण व विचारण के दौरान भोगी गई निरोध अवधि को।/Period of detention undergone during investigation and trial of a similar case.
- (d) उपरोक्त सभी को/All of the above

[b]

48. हत्या मामले के विचारण के दौरान निम्न में से कौनसा साबित किया जा सकेगा:/During the course of trial of a murder case, which of the following may be proved:

- (a) अभियुक्त द्वारा अन्वेषण के दौरान पुलिस अभिरक्षा में किया गया संस्वीकृति कथन।/Statement of confession of accused made in police custody during investigation.
- (b) अन्य मामले के अन्वेषण के दौरान अभियुक्त के कथन के आधार पर अपराध कारित करने में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी।/Recovery of the weapon of offence on basis of statement made by accused during investigation of another case.
- (c) मृत शरीर की बरामदगी के पश्चात् अभियुक्त द्वारा मृत शरीर को फेंके जाने वाले स्थान बाबत कथन।/After recovery of dead body, the statement of accused as to the place where he threw the dead body.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above

[b]

49. निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?/Which of the following statement is not correct?

- (a) मृत्युकालिक कथन पृष्ठांकित करने वाले डॉक्टर का परीक्षण नहीं होने से मृत्युकालिक कथन के साक्ष्यिक मूल्य पर हमेशा प्रभाव नहीं पड़ता।/The non-examination of the doctor endorsing the dying declaration, does not always affect the evidentiary value of the dying declaration.
- (b) हस्ताक्षर करने में असमर्थ पढ़े-लिखे कथनकर्ता द्वारा मृत्युकालिक कथन पर हस्ताक्षर नहीं करने से मृत्युकालिक कथन की सत्यशीलता संदेहास्पद नहीं होती।/Non-signing of the dying declaration by a literate declarant unable to sign, does not render the veracity of dying declaration doubtful.





- (c) जब मृत्युकालिक कथन के दौरान, कथनकर्ता के रिश्तेदार मौजूद हों तो मृत्युकालिक कथन सुसंगत नहीं होगा।/When the relatives of the declarant are present during dying declaration, the dying declaration would not be relevant.
- (d) प्रथम सूचना रिपोर्ट में अभिलिखित कथन को मृत्युकालिक कथन माना जा सकता है।/The statements recorded in F.I.R. may be treated as dying declaration.

[c]

50. चिकित्साधिकारी द्वारा पीड़ित की चोटों का वर्णन करती रिपोर्ट: /The report of a Medical Officer stating the injuries of the victim is:

- (a) निश्चयक प्रकृति की है।/Conclusive in nature
- (b) सुसंगत व साक्ष्य में ग्राह्य है।/Relevant and admissible in evidence
- (c) असंगत है।/Irrelevant
- (d) सारवान् साक्ष्य है।/Substantive piece of evidence

[b]

51. निम्न में से कौनसी परिस्थिति में मुख्य परीक्षण के दौरान न्यायालय की अनुमति से सूचक प्रश्न पूछे जा सकते हैं?/Under which of the following conditions, a leading question may be asked during examination-in-chief with the permission of the Court?

- (a) उन बातों के बारे में जो विवादित है या पुनःस्थापना के रूप में नहीं है।/In matters which are disputed or not introductory.
- (b) जब प्रश्नगत बात पर्याप्त रूप से साबित है।/When matter in question is sufficiently proved.
- (c) उपरोक्त दोनों परिस्थितियों में।/Under both of the above conditions.
- (d) उपरोक्त में से किसी परिस्थिति में नहीं।/Under none of the above conditions.

[b]

52. कथन 'अ' : भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-ए के तहत उपधारणा, अभियोजन द्वारा क्रूरता स्थापित करने पर भी आकर्षित नहीं होगी, यदि स्त्री का विवाह उसके आत्महत्या करने के सात वर्ष से अधिक समय पूर्व हुआ हो।

कथन 'ब' : भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-ए के प्रवर्तन पर, अभियोजन को अभियुक्त के विरुद्ध तथ्यों को संदेह से परे प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं रहती है। कौनसा कथन सही है?

Statement A : The presumption under Section 113-A of Indian Evidence Act is not attracted if the marriage took place more than seven years prior to the suicide of woman, even if the cruelty is established by prosecution.

Statement B: By the introduction of Section 113-A of Indian Evidence Act, the prosecution is not required to prove the facts beyond reasonable doubt against the accused. Which of the statement is correct?

- (a) कथन अ/Statement A
- (b) कथन ब/Statement B

- (c) कथन अ तथा ब दोनों/Both statements A & B
- (d) कोई भी कथन नहीं/None of the statements

[a]

53. धारा 325 भारतीय दण्ड संहिता के मामले में मुख्य परीक्षा के दौरान, पीड़ित अभियोजन प्रकरण से इन्कार करता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के किस प्रावधान के तहत लोक अभियोजक पीड़ित से सूचक प्रश्न पूछ सकता है?/During examination-in-chief of a case under Section 325 of Indian Penal Code, the victim denies the prosecution case. Under what provision of Indian Evidence Act, the victim may be asked leading questions by the Public Prosecutor?

- (a) धारा 139/Section 139
- (b) धारा 144/Section 144
- (c) धारा 154/Section 154
- (d) धारा 165/Section 165

[c]

54. कथन 'अ' : यदि इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर किये जाने के बाद उसमें किया गया परिवर्तन पता लगने योग्य नहीं है, तो प्रमाणीकरण के प्रयोजन हेतु वह इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर विश्वसनीय है।
कथन 'ब' : एक संविदा की रचना के दौरान प्रस्तावों की संसूचना इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख के माध्यम से अभिव्यक्त की गई है। ऐसे मामले में, केवल वह इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख, संविदा को अप्रवृत्तीय नहीं बनाता है।

Statement A - If an alteration to the electronic signature made after affixing such signature, is not detectable, then for the purpose of authentication, such electronic signature is reliable.

Statement B - During formation of a contract, the communication of proposals is expressed through electronic record. In such a case, that electronic record solely does not render the contract unenforceable.

- (a) कथन 'अ' सही है।/Statement A is correct
- (b) कथन 'ब' सही है।/Statement B is correct
- (c) दोनों कथन सही है।/Both statements are correct
- (d) दोनों कथन सही नहीं है।/Both statements are incorrect

[b]

55. विद्युत की चोरी का अपराध किया जाता है, यदि:/The offence of theft of electricity is committed, if:

- (a) बेईमानीपूर्वक, मीटर के साथ छेड़छाड़ की जाती है।/the meter is dishonestly tampered with.
- (b) बेईमानीपूर्वक, मीटर को उसके स्वामी की सहमति के बिना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर हटाया जाता है।/The meter is dishonestly moved from one place to another without consent of owner.
- (c) बेईमानीपूर्वक, मीटर को, उसके स्वामी की सहमति के बिना, संचित किया जाता है।/The meter is dishonestly stored without consent of the owner.
- (d) उपरोक्त सभी/All the above

[a]





56. पृष्ठांकक की अनुमति के बिना एक परक्राम्य लिखत में तात्विक परिवर्तन किये जाने पर वह परक्राम्य लिखत को:/A material alteration in a negotiable instrument without the consent of the endorser, renders the negotiable instrument as:

- (a) शून्यकरणीय बनाता है।/Voidable
(b) शून्य बनाता है।/Void
(c) अवैध बनाता है।/Invalid
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above

[*]

Note : The question was deleted in the final answer key issued by the Rajasthan High Court.

57. अ : धारा 4, अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के अंतर्गत प्रस्तुत किये गये बन्ध-पत्र की शर्तों के अनुपालन में असफल होने पर, न्यायालय का यह विवेक है कि वह अपराधी को मूल अपराध के लिए दण्डित कर सकेगा; या प्रथम असफलता पर पचास रूपये तक की शास्ति अधिरोपित कर सकेगा।

ब : इक्कीस वर्ष से अधिक उम्र के अपराधी को अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 304 के अंतर्गत परिवीक्षा प्रदान नहीं की जा सकती।

स : न्यायालय द्वारा, अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 8 के अंतर्गत किये गये आदेश के तहत, अपराधी द्वारा नया बन्ध-पत्र पेश करने में असफल होने पर, न्यायालय उस अपराध के लिए उसे दण्डित नहीं करेगा जिसका वह दोषी पाया गया था।

द : अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 5 के अंतर्गत अधिरोपित क्षतिपूर्ति रकम को, दण्ड प्रक्रिया संहिता के उपबन्धों के अनुसार जुर्माने के रूप में वसूल किया जा सकेगा।

उपरोक्त में से कौनसा सही है?

A: On failure to observe any of the conditions of the bond entered under Section 4 of the Probation of Offenders Act, 1958, the Court is at discretion to sentence the offender for the original offence, or to impose a penalty upto rupees fifty in case of first failure.

B: An offender, above the age of twenty one years, cannot be granted probation under Sections 3 & 4 of the Probation of Offenders Act, 1958.

C: On failure of the offender to enter a fresh bond on an order of Court under Section 8 of the Probation of Offenders Act, 1958, the Court shall not sentence him for the offence of which he was found guilty.

D: The amount of compensation imposed on the offender under Section 5 of the Probation of Offenders Act, 1958 can be recovered as fine in accordance with the provisions of Code of Criminal Procedure.

Which of the above is correct?

- (a) कथन 'अ' व 'ब' /Statements A & B.
(b) कथन 'ब' व 'स' /Statements B & C.

- (c) कथन 'स' व 'द' /Statements C & D.
(d) कथन 'द' व 'अ' /Statements D & A.

[d]

58. निम्न में से किसे अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 17 के अंतर्गत नियम बनाने की शक्ति प्राप्त है?/Who of the following have powers to frame rules under Section 17 of the Probation of Offenders Act, 1958?

- (a) राज्य सरकार, केन्द्र सरकार के अनुमोदन से/State Government with the approval of Central Government.
(b) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार की सम्मति से/Central Government with the consent of State Government.
(c) उच्च न्यायालय/High Court
(d) उपरोक्त सभी/All the above

[a]

59. निम्न में से कौन, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 84 के अन्तर्गत सद्भावनापूर्वक किए गए कार्य के लिए उनके विरुद्ध अभियोजन से संरक्षित है?/Who of the following on acting in good faith are protected from prosecution under Section 84 of the Information Technology Act, 2000?

- (a) उपयोगकर्ता/The Subscriber
(b) नियंत्रक/The Controller
(c) प्रवर्तक/The Originator
(d) उपरोक्त सभी/All the above

[b]

60. घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 का विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है, सिवाय:/The Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005 extends to whole of India, except:

- (a) जम्मू-कश्मीर राज्य/State of Jammu & Kashmir
(b) नागालैंड राज्य/State of Nagaland
(c) संविधान की षष्ठ अनुसूची के पैरा 20 में यथानिर्दिष्ट असम के जनजाति क्षेत्र/Tribal areas of Assam as referred to in paragraph 20 of the sixth schedule to the Constitution.
(d) उपरोक्त सभी/All the above

[a]

61. मजिस्ट्रेट, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 14 के तहत मामले को परामर्श हेतु निर्दिष्ट करते समय, सुनवाई के लिए अगली तारीख नियत करेगा, जो:/A Magistrate directing the matter to be referred for counseling under Section 14 of the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005, will fix the next date for hearing:

- (a) दो मास के पश्चात होगी।/After a period of two months.
(b) दो मास से अनधिक के भीतर होगी।/Within a period not exceeding two months.
(c) तीन मास के पश्चात होगी।/After a period of three months.
(d) चार मास के पश्चात होगी।/After a period of four months.





[b]

62. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत स्थापित विशेष न्यायालय के फैसले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील:/An appeal to High Court against the judgment of special Court established under the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 should be preferred:

- नब्बे दिन की अवधि के अंदर की जाएगी।/Within a period of ninety days.
- साठ दिन की अवधि के अंदर की जाएगी।/Within a period of sixty days.
- तीस दिन की अवधि के अंदर की जाएगी।/Within a period of thirty days.
- एक सौ बीस दिन की अवधि के अंदर की जाएगी।/Within a period of one hundred and twenty days.

[a]

63. एक विवाह समारोह में अनुसूचित जाति के व्यक्ति को इरादतन अपमानित करने के अपराध में, यह साबित हो जाता है कि पीड़ित व्यक्ति अभियुक्त का पड़ोसी है व गत दस वर्षों से उनके अच्छे सम्बन्ध थे, तो न्यायालय क्या उपधारणा करेगा?/In the prosecution for an offence of intentionally insulting the member of Scheduled Caste at a marriage function, it is proved that the victim is the neighbour of accused and they had good relations for past ten years, then what shall the Court presume?

- कि, अभियुक्त ने पीड़ित को मानसिक पीड़ा पहुंचाई।/That accused has caused mental agony to victim.
- कि, अभियुक्त पीड़ित की जाति की पहचान से भिन्न था।/That accused was aware of victim's caste.
- उपरोक्त दोनों/Both of the above
- कि, अभियुक्त ने अनुसूचित जाति के लोगों से दुर्भावना को बढ़ाया है।/That accused has promoted ill-will against members of scheduled castes.

[b]

64. अभियुक्त द्वारा बचाव साक्ष्य में एक खून आलूदा कमीज पेश की गई। उस पर निम्न में से कौनसा प्रदर्श चिन्हित किया जाएगा?/A blood stained shirt is produced in defence evidence by the accused. Which of the following exhibit will be marked on it?

- प्रदर्श पी-1/Exhibit P-1
- प्रदर्श डी-1/Exhibit D-1
- प्रदर्श वस्तु-1/Exhibit Article-1
- प्रदर्श वस्तु ए-1/Exhibit Article A-1

[d]

65. एक आपराधिक मामले में, अभियुक्त को धारा 380 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दोषमुक्त किया जाता है। उस पत्रावली के चुराई गई सम्पत्ति की पहचान से संबन्धित कागज पत्र नष्ट किए जा सकते हैं:/In a criminal case, the accused has been acquitted under Section 380 of Indian Penal Code. The papers

of the file relating to the identification of stolen property can be destroyed:

- मामले को निस्तारित करने के आदेश के बाद आने वाली आगामी 31 दिसम्बर से गणना करते हुए, पचास वर्षों की समाप्ति पर।/On expiration of fifty years, reckoned from 31st December next ensuing after the order disposing of the case.
- मामले का निस्तारण करने के आदेश के बाद आगामी 30 जून या 31 दिसम्बर से गणना करते हुए, पांच वर्ष की समाप्ति पर।/On expiration of five years, reckoned from 30th June or 31st December next ensuing after the order disposing of the case.
- मामले का निस्तारण करने के आदेश के बाद आगामी 31 दिसम्बर से गणना करते हुए, तीन वर्ष की समाप्ति पर।/On expiration of three years, reckoned from 31st December next ensuing after the order disposing of the case.
- मामले का निस्तारण करने के आदेश के बाद आगामी 30 जून या 31 दिसम्बर से गणना करते हुए, दो वर्ष की समाप्ति पर।/On expiration of two years, reckoned from 30th June or 31 December next ensuing after the order disposing of the case.

[a]

66. निम्न में से किस आधार पर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उसके अधीनस्थ न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय का निरीक्षण करने हेतु कर्त्तव्य द्वारा आबद्ध है?/The Chief Judicial Magistrate is duty bound to inspect the court of his subordinate Judicial Magistrate, on which of the following basis?

- साप्ताहिक/Weekly
- त्रैमासिक/Quarterly
- अर्द्धवार्षिक/Half yearly
- वार्षिक/Yearly

[c]

67. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 2(12) के अधीन "बालक" से अभिप्राय: उस व्यक्ति से है, जिसने पूर्ण नहीं की है:/Under Section 2(12) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015, "child" means a person, who has not completed:

- 21 वर्ष की आयु/21 years of age
- 18 वर्ष की आयु/18 years of age
- 14 वर्ष की आयु/14 years of age
- 16 वर्ष की आयु/16 years of age

[b]

68. निम्न में से कौन, किशोर न्याय मण्डल के लम्बित मामलों की त्रैमासिक आधार पर समीक्षा करेगा?/Who shall review the pendency of cases of Juvenile Justice Board, on quarterly basis?

- मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/Chief Judicial Magistrate
- उच्च स्तरीय समिति जिसमें राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष हो।/High Level Committee





consisting of the Executive Chairperson of the State Legal Services Authority.

- (c) जिला मजिस्ट्रेट/District Magistrate
(d) मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष/Chairperson of Human Rights Commission

[a]

69. (अ) स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत स्थापित विशिष्ट न्यायालय द्वारा विचारणीय अपराध में आरोपित व्यक्ति को एक प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट पन्द्रह दिनों की अनधिक अवधि के लिए अभिरक्षा में निरूद्ध करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।
(ब) स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत स्थापित विशिष्ट न्यायालय को, धारा 167 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निरूद्ध व्यक्ति की अभिरक्षा को प्राधिकृत करने का अधिकार नहीं है।
(स) स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 2 (xxviii-क) के अंतर्गत 'उपयोग' की परिभाषा में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थों का व्यक्तिगत उपयोग अपवर्जित किया गया है।
(द) उच्च न्यायालय, विशेष आदेश द्वारा, स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत उतने विशेष न्यायालयों का गठन कर सकता है, जितने आवश्यक हों।

उपरोक्त में से कौनसा कथन सही है?

- (A) A Judicial Magistrate First Class can authorize the detention in custody, of a person accused under an offence triable by Special Court established under The Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, for a period not exceeding fifteen days.
(B) The Special Court established under The Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, cannot exercise the power to authorize the detention of accused in custody, as enunciated under Section 107 of Code of Criminal Procedure.
(C) The definition of 'use' under Section 2 (xxviii-a) of The Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, excludes personal consumption of narcotic drugs and psychotropic substances.
(D) The High Court, by special order, may constitute as many Special Courts under The Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, as necessary.

Which of the above statements are correct?

- (a) 'अ' व 'ब'/A & B
(b) 'अ' व 'स'/A & C
(c) 'ब' व 'स'/B & C
(d) 'स' व 'द'/C & D

[b]

70. निम्न में से कौनसा पुलिस अधिकारी, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 24 के अंतर्गत बालक के कथन अभिलिखित करने हेतु अधिकृत है?/Who of the following

police officers is empowered to record statement of a child under Section 24 of the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012?

- (a) कांस्टेबल/Constable
(b) कोई भी महिला पुलिस अधिकारी/Any woman police officer
(c) उप-निरीक्षक की पंक्ति से अन्यून महिला पुलिस अधिकारी/Woman police officer not below the rank of Sub-Inspector
(d) उप अधीक्षक की पंक्ति से अन्यून महिला पुलिस अधिकारी/Woman police officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police.

[c]

Fill in the blank with correct form of verb. (Q.No.71 to 73)

71. Look, that man is _____ a photo of you.

- (a) takes
(b) will take
(c) took
(d) taking

[d]

72. Someone has _____ my books.

- (a) steal
(b) stolen
(c) stole
(d) will steal

[b]

73. Slow and steady _____ the race.

- (a) win
(b) will win
(c) wins
(d) won

[c]

Choose the correct passive voice of the given sentence. (Q.No.74 and 75)

74. The child broke the mirror.

- (a) The mirror is broken by the child.
(b) The mirror was broken by the child.
(c) The mirror was broken.
(d) The mirror has been broken.

[b]

75. Send these letters by Registered Post.

- (a) The letters are sent by Registered Post.
(b) The letters were sent by Registered Post.
(c) Let these letters be sent by Registered Post.
(d) Let these letters sent by Registered Post.

[c]





Fill in the blanks with a grammatically correct and meaningful option from those given in each question. (Q.No.76 to 79)

76. _____ small shopkeepers are finding life increasingly difficult.

- (a) A
- (b) An
- (c) The
- (d) Any

[c]

77. _____ is known about the side effects of this drug.

- (a) Few
- (b) Some
- (c) None
- (d) Little

[d]

78. He is over eighty but _____ still read without glasses.

- (a) used
- (b) can
- (c) needs
- (d) must

[b]

79. We _____ pay income tax without fail.

- (a) should
- (b) must
- (c) may
- (d) need not

[b]

Choose the correct option of the following as directed against each word/phrase. (Q.No.80 to 83)

80. **ILLEGIBLE (opposite)**

- (a) Lawful
- (b) Easy
- (c) Imitable
- (d) Readable

[d]

81. **LIABILITY (opposite)**

- (a) Treasure
- (b) Debt
- (c) Assets
- (d) Property

[c]

82. **A bone of contention (Meaning)**

- (a) act of submission
- (b) area of agreement
- (c) subject of dispute
- (d) subject of intention

[c]

83. The accused was hiding important evidence. (Change to Negative)

- (a) The accused not hiding important evidence.
- (b) The accused was hiding not important evidence.
- (c) The accused was not hiding important evidence.
- (d) The accused not hiding was important evidence.

[c]

Fill in the blank with most appropriate option. (Q.No.84 and 85)

84. Tigers won't attack _____ they are hungry.

- (a) because
- (b) if
- (c) unless
- (d) although

[c]

85. Trust in god _____ do the right.

- (a) but
- (b) and
- (c) or
- (d) yet

[b]

86. उत् + हार की संधि है-

- (a) उद्गार
- (b) उद्हार
- (c) उद्धार
- (d) उधार

[c]

87. 'कामचोर' में समास है:

- (a) अपादान तत्पुरुष
- (b) अव्ययी भाव
- (c) करण तत्पुरुष
- (d) बहुव्रीहि

[a]

88. निम्नांकित में से 'पुत्री' शब्द का पर्यायवाची नहीं है:

- (a) तनया
- (b) आत्मजा
- (c) दुहिता
- (d) अबला

[d]

89. 'सृजन' शब्द का विलोम है:

- (a) निर्माण
- (b) संहार
- (c) विजन
- (d) दुर्जन

[b]

90. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है:

- (a) कवयित्री





- (b) कवियत्री
(c) कवित्री
(d) कवियत्रि

[a]

91. इनमें से निषेधवाचक वाक्य है:

- (a) वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।
(b) सदा सत्य बोलो।
(c) तुमने यह पुस्तक कब खरीदी?
(d) विद्यार्थी कक्षा में उपस्थित नहीं था।

[d]

92. निम्नांकित में से शुद्ध वाक्य है:

- (a) तुलसीदास ने रामचरितमानस का प्रणयन किया।
(b) तुलसीदास ने रामायण का प्रणयन किया।
(c) तुलसीदास ने रामचरितमानस का पारायण किया।
(d) तुलसीदास ने रामचरितमानस का संयोजन किया।

[a]

93. 'उंगलियों पर नचाना' मुहावरे का अर्थ-बोधक वाक्य है:

- (a) शीला अपने पति की उंगलियों पर नाचती है।
(b) शीला अपने पति की इच्छा के अनुसार काम करती है।
(c) शीला अपने पति से अपनी इच्छा के अनुसार काम करवाती है।
(d) शीला का पति अपनी इच्छा से सारे काम करता है।

[c]

94. 'मुट्टी गरम करना' मुहावरे का अर्थ है:-

- (a) रिश्वत देना।
(b) हाथ सेकना।
(c) बुखार चढ़ना
(d) सारा शरीर गरम होना

[a]

95. किस युग्म में विलोमता नहीं है?

- (a) अभिज्ञ-अनभिज्ञ
(b) वियोग-संयोग
(c) ग्राह्य-त्याज्य
(d) हर्ष-विस्मय

[d]

96. किस शब्द की वर्तनी दोषपूर्ण है?

- (a) अनुगृहीत
(b) संग्रहीत
(c) उच्छृखल
(d) गण्यमान्य

[b]

97. सत्+जन की संधि है:

- (a) सद्जन
(b) सज्जन
(c) सत्जन
(d) सजन

[b]

98. 'जानने की इच्छा रखने वाला के लिये उपयुक्त शब्द है:

- (a) विश्वासी
(b) सर्वज्ञ
(c) जिज्ञासु
(d) वाचाल

[c]

99. भीतर से शत्रुता और ऊपर से मीठी बात करने के भाव को व्यक्त करने वाली लोकोक्ति है-

- (a) आम के आम, गुठली के दाम
(b) मुँह में राम, बगल में छुरी
(c) दोनों हाथों में लड्डू
(d) दूर के ढोल सुहावने

[b]

100. 'जिन ढूँढ़ों तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ' लोकोक्ति का अर्थ है:

- (a) बिना प्रयास के लाभ होना।
(b) काम करने में शीघ्रता करना।
(c) जो प्रयत्न करते हैं, वे परिश्रम का कुछ न कुछ फल अवश्य प्राप्त करते हैं।
(d) सांस्रिकता में लिप्त रहकर ईश्वर को प्राप्त करना।

[c]

